

# विज्ञान

अध्याय-16: कचरा -संग्रहण एवं निपटान



## कचरा:



कचरा मनुष्य द्वारा उत्पादन और उपभोग से संबंधित अपनी कई गतिविधियों के परिणामस्वरूप उत्पन्न होता है। यह उन सभी कचरे या सामग्रियों से बना है जो अब उपयोग करने योग्य नहीं हैं या जो अपनी उपयोगिता खो चुके हैं।

इसकी उत्पत्ति के आधार पर, कचरा को घरेलू, वाणिज्यिक, औद्योगिक, अस्पताल या निर्माण और विध्वंस गतिविधियों, या अंतरिक्ष अन्वेषण के परिणाम के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है। इसके आधार पर, प्रत्येक प्रकार के अपशिष्ट को इसके बायोडिग्रेडेबिलिटी, खतरे या विषाक्तता जैसे पहलुओं के आधार पर इसके निपटान, निपटान या रीसाइक्लिंग के लिए एक विशेष रूप से उपचार की आवश्यकता होती है।

इसलिए, कचरा चक्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा इसका प्रबंधन है, अर्थात्, अपशिष्ट प्रबंधन, परिवहन, उपचार, रीसाइक्लिंग या निपटान से संबंधित सभी गतिविधियां। यह सब हमारे पर्यावरण पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव को कम करने के लिए किया जा सकता है। इस कारण से, स्थानीय प्रशासन द्वारा संग्रह के लिए और बाद में चैनलिंग के लिए उपलब्ध कराए गए स्थानों पर, या तो लैंडफिल, लैंडफिल या पृथक्करण या रीसाइक्लिंग संयंत्रों के इसकी उत्पत्ति के आधार पर, कचरा को घरेलू, वाणिज्यिक, औद्योगिक, अस्पताल या निर्माण और विध्वंस गतिविधियों, या अंतरिक्ष अन्वेषण के परिणाम के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है। इसके आधार पर, प्रत्येक प्रकार के अपशिष्ट को इसके बायोडिग्रेडेबिलिटी, खतरे या विषाक्तता जैसे पहलुओं के आधार पर इसके निपटान, निपटान या रीसाइक्लिंग के लिए एक विशेष रूप से उपचार की आवश्यकता होती है।

इसलिए, कचरा चक्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा इसका प्रबंधन है, अर्थात्, अपशिष्ट प्रबंधन, परिवहन, उपचार, रीसाइक्लिंग या निपटान से संबंधित सभी गतिविधियां। यह सब हमारे पर्यावरण पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव को कम करने के लिए किया जा सकता है। इस कारण से, स्थानीय प्रशासन द्वारा संग्रह के लिए और बाद में चैनलिंग के लिए उपलब्ध कराए गए स्थानों पर, या तो लैंडफिल, लैंडफिल या पृथक्करण या रीसाइक्लिंग संयंत्रों के लिए कचरा जमा किया जाना चाहिए।

## कचरे का सही निवारण हरे और नीले में निस्तारण



### भराव :-

वह स्थान है , जहाँ शहर अथवा नगर के कचरे को एकत्र करके पाटा जाता है।



कचरे की ढेरियों को गड्डों में भरना



हमारे दैनिक क्रियाकलापों से कचरा उत्पन्न होता है। कचरे में उपयोगी और अनुपयोगी दोनों अवयव होते हैं। अनुपयोगी अवयव को पृथक कर लेते हैं और फिर इसे भराव क्षेत्र में फैलाकर मिट्टी की परत से ढक देते हैं। कुछ शहरों तथा नगरों में नगरपालिकाएँ दो प्रकार के कचरे को एकत्र करने के लिए दो पृथक कूड़ेदान प्रदान करती हैं। प्रायः एक का रंग नीला तथा दूसरे का रंग हरा होता है। नीले कूड़ेदान में पुनः उपयोग किए जा सकने वाले पदार्थ डाले जाते हैं



जैसे प्लास्टिक धातुएँ तथा काँच। हरे कूड़ेदान रसोई तथा अन्य पादप अथवा जंतु अपशिष्टों को एकत्र करने के लिए होते हैं। किसानों द्वारा कटाई के पश्चात् खेतों में सूखी पत्तियाँ फसली पादपों के अपशिष्ट तथा भूसे जैसे अपशिष्टों को जलाया जाता है, इन्हें जलाने से स्वास्थ्य के लिए हानिकारक गैसों तथा धुआँ उत्पन्न होता है।



हानिकारक गैसों

## कम्पोस्टिंग :-



रसोई घर के अपशिष्ट सहित पौधों एवं जंतु अपशिष्टों को खाद में परिवर्तित करना कम्पोस्टिंग कहलाता है। लाल केंचुओ में एक विशेष संरचना होती है जिसे गिजर्ड कहते हैं जो भोजन को पिसने में सहायता करता है।



लाल केंचुओ

भोजन को  
पिसने में सहायता

## वर्मीकम्पोस्टिंग :-



रसोइ घर के कचरे को कृमी अथवा लाल केंचुओं द्वारा कंपोस्ट में परिवर्तित करना वर्मीकम्पोस्टिंग कहलाता है। लाल केंचुओं की सहायता से कंपोस्ट बनाने की इस विधि को 'वर्मीकम्पोस्टिंग' है



### अपशिष्ट :-

अपशिष्ट पदार्थ नियमित रूप से इकट्ठा होने वाले उस कचरे को कहा जाता है,





जो रोज कारखानों, ऑफिस, घरों, एवं अन्य इमारतों की साफ-सफाई के बाद एकत्रित होता है, तथा जिसे हम कचरापात्र या सड़क और नदियों में ऐसे ही फेंक देते हैं।



अपशिष्ट पदार्थों की वृद्धि के चलते पर्यावरण प्रदूषण में दिनोदिन काफी बढ़ोतरी हो रही है, जिसका मानव एवं अन्य जीवों के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है।

### अपशिष्ट प्रबंधन:

## WASTE MANAGEMENT



अपशिष्ट प्रबंधन के अंतर्गत ठोस, द्रव एवं गैस के अपशिष्ट को अलग-अलग रूप से सुनियोजित करने का प्रस्ताव है, जिसमें विभिन्न तकनीकों का प्रयोग करके कचरे को या तो नष्ट कर दिया जाता है, या उसे पुनर्चक्रण करके फिर से इस्तेमाल योग्य बनाया जाता है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत निम्न प्रकार की प्रणालियों का क्षेत्रों के अनुसार निर्माण किया गया है, जैसे कि:-

### निपटान प्रणाली:

इस प्रणाली के अंतर्गत अपशिष्ट को मिट्टी में दफना दिया जाता है, एवं गैसों को नष्ट करने के लिए यंत्र स्थापित करके जला दिया जाता है।



### भस्मीकरण प्रणाली:

इस प्रणाली के अंतर्गत ठोस एवं गैसों के अपशिष्ट को नष्ट करने के लिए छोटे एवं बड़े दोनों पैमानों पर इन्हें भीष्म ऊष्मा से जला दिया जाता है।



### पुनर्चक्रण प्रणाली:

इसमें अम्लिष्ट पदार्थों को पुनः इस्तेमाल करने के विचार से नष्ट करके फिर से योग्य बनाया जाता है।





### भौतिक पुनःपरिष्करण प्रणाली:

इसमें भी अपशिष्ट पदार्थों का परिष्करण करके फिर से काम में लाने योग्य बनाया जाता है।

### जैविक पुनःपरिष्करण प्रणाली:

खाद्य अपशिष्ट को एकसार करके जैविक खाद तैयार की जाती है।

### अपशिष्ट के प्रकार :-

अपशिष्ट पदार्थों को उनकी जैविक गुणों के आधार पर विभिन्न प्रकार से विभाजित किया गया है सामान्यतया यह दो प्रकार के होते हैं-

1. जैव अपघटीय अपशिष्ट (Biodegradable Wastes)
2. अजैव अपघटकीय अपशिष्ट (Non-Biodegradable Wastes)

### जैव अपघटीय अपशिष्ट (Biodegradable Wastes) :-

ऐसे अपशिष्ट पदार्थ जिनको सूक्ष्म जीव के द्वारा सामान्य रूप से विघटित किया जा सकता है ऐसे अपशिष्ट को जैव अपघटीय अपशिष्ट (Biodegradable Wastes) कहते हैं।



जैव अपघटीय अपशिष्ट पदार्थों को जब सुचारू रूप से निस्तारण किया जाए तो यह हानिकारक नहीं होते हैं। इन्हें आसानी से निस्तारित किया जा सकता है। कुछ जैविक अपघटीय अपशिष्ट पदार्थों के उदाहरण निम्न हैं, जैसे - फलों तथा सब्जियों के छिलके, गाय का गोबर, पौधों के अपशिष्ट पदार्थ, कृषि अपशिष्ट इन सभी प्रकार के अपशिष्ट पदार्थों को कृषि कंपोस्ट तैयार या बायोगैस बनाकर पुनः उपयोग में लाया जा सकता है।

ग्रामीण क्षेत्रों में जैव अपघटीय अपशिष्ट को बदलने की एक प्रकार की तकनीक है जिसका प्रयोग करके कृषि योग्य कंपोस्ट खाद बनाई जाती है। आजकल जैविक अपघटकीय अपशिष्ट से बायोगैस प्लांट में मेथेन गैस का भी उत्पादन किया जाता है, जिस गैस का प्रयोग करके घर में खाना बनाना तथा प्रकाश उत्पन्न किया जाता है।

### **अजैव अपघटीय अपशिष्ट (Non-Biodegradable Wastes) :**

ऐसे अपशिष्ट पदार्थ जिनको सूक्ष्म जीव के द्वारा सामान्य रूप सूक्ष्म कणों में विघटित नहीं किया जा सकता है, ऐसे अपशिष्ट को अजैव अपघटीय अपशिष्ट (Non-Biodegradable Wastes) कहते हैं। इस प्रकार के अपशिष्ट पदार्थ को निस्तारित करना बहुत ही बड़ी चुनौती है जिसका निस्तारण करना संभव नहीं लगता है, जिसके कारण यह बहुत ही भारी मात्रा में प्रदूषण उत्पन्न करते हैं।



अजैव अपघटीय अपशिष्ट पदार्थों के अंतर्गत प्लास्टिक, संश्लेषित पीड़कनाशी, संश्लेषित रेशे, रबड़, कार्बनिक, बहुलक इत्यादि आते हैं।

### पर्यावरण और मानव पर अपशिष्ट पदार्थों का प्रभाव : -

कोई भी अपशिष्ट पदार्थ हमें हानि ही पहुंचाते हैं। इनके बढ़ने से हमारी पृथ्वी खतरे में बढ़ती जा रही है। यह हमारे चारों ओर बहुत तेजी के साथ इकट्ठे हो रहे हैं, जो हमें बहुत ही हानि पहुंचाते हैं। अपशिष्ट पदार्थों के प्रभाव के कारण हमें बहुत सारी बीमारियों का सामना करना पड़ता है।



ये अपशिष्ट धीरे-धीरे गंभीर बीमारियों के कारण बनते जा रहे हैं। अपशिष्ट पदार्थों के कारण वायु प्रदूषण और भूमि प्रदूषण धीरे धीरे बढ़ते ही जा रहे हैं जिसका परिणाम बहुत ही बुरा होने वाला है। जब अपशिष्ट पदार्थ बहुत भारी मात्रा में जमा हो जाते हैं तो यह हानि पहुंचाते हैं। इनसे हमारी



आंखें और नाक भी प्रभावित होते हैं जिससे हमारी शाररिक क्षमता घटने लगती है और हमारी उम्र भी कम होती जा रही है।



**अपशिष्ट पदार्थों का निस्तारण या प्रबंध :-**



सामान्य तौर पर अपशिष्ट पदार्थों का निस्तारण/प्रबंधन करना थोड़ा कठिन है परंतु अपशिष्ट पदार्थों का निस्तारण या प्रबंधन करके काफी हद तक अपशिष्ट पदार्थों को उपयोग में लाया जा सकता है या फिर इनके दुष्प्रभाव से बचा जा सकता है। फिर भी अपशिष्ट पदार्थों हानियों से बचना लगभग असंभव प्रतीत होता है, लेकिन इसके निस्तारण से काफी हद तक बचा जा सकता

है। अपशिष्ट निस्तारण या प्रबंधन के लिए कुछ विधियां दी गई हैं जिनकी जानकारी नीचे दी गई है।

## अपशिष्ट के स्रोत :-

अपशिष्ट पदार्थ के कई स्रोत हैं यह अलग-अलग क्षेत्र से आते हैं जिसमें कुछ स्रोतों के नाम नीचे दिए गए हैं

### 1. घरेलू अपशिष्ट -



घर का कूड़ा करकट गन्दगी धूल मल और सीवेज का कूड़ा करकट बहुत सी बीमारियों को पैदा करता है क्योंकि इसमें कई ऐसे कीटाणु उत्पन्न हो जाते हैं जो बीमारी का कारण बनते हैं। इसमें अनेक नौन बायोडेग्रेबल आग लगने वाले और न आग लगने वाले पदार्थ होते हैं।



इनको खुले मैदानों में फेंक देते हैं जो पर्यावरण को हानि पहुंचाते हैं। उदाहरण - फल व सब्जियों के छिलके, कागज, कपड़ा, धातु के टुकड़े, प्लास्टिक, काच आदि। इस अपशिष्ट के अंदर घर में प्रयोग किए जाने वाले वस्तुये आती हैं जिनको उपयोग करके बाहर फेंक दिया जाता है। जैसे- कांच, प्लास्टिक, फल तथा सब्जियों के छिलके, खिलौने इत्यादि।

## 2. औद्योगिक अपशिष्ट -



औद्योगिक अपशिष्ट में ठोस और तरल दोनों प्रकार का कूड़ा करकट होता है। उद्योगों का गन्दा जल तथा कूड़ा करकट उद्योगों में से बाहर फेंक दिया जाता है।





उद्योगों का टूटा फूटा सामान एवं कूड़ा करकट कचरा ठोस अपशिष्ट है। कंपनी में, कारखानों में किसी उत्पाद को बनाने के फलस्वरूप जो कचरा निकलता है वह औद्योगिक अपशिष्ट के अंतर्गत आते हैं।

### 3. कृषि अपशिष्ट -

फसलों जानवरों और पशुओं द्वारा जो कूड़ा करकट पैदा होता है वह कृषि सम्बन्धी अपशिष्ट है। जैसे चावल के छिलके गोबर यह कूड़ा करकट खुले में फैकने से मनुष्यों और जानवरों को हानि पहुंचाता है।



कृषि के पश्चात बचे हुए पदार्थ इसमें आते हैं। उदाहरण - डंठल, भूसा, सूखी पतिया गोबर आदि। कृषि के अधिक उत्पादन के लिए जो रासायनिक और अन्य उर्वरक मिलाये जाते हैं तथा अनाज प्राप्त करने के लिए जो कूड़े कचरे निकलते हैं वे सभी कृषि अपशिष्ट के अंतर्गत आते हैं।

### 4. जांतव अपशिष्ट -



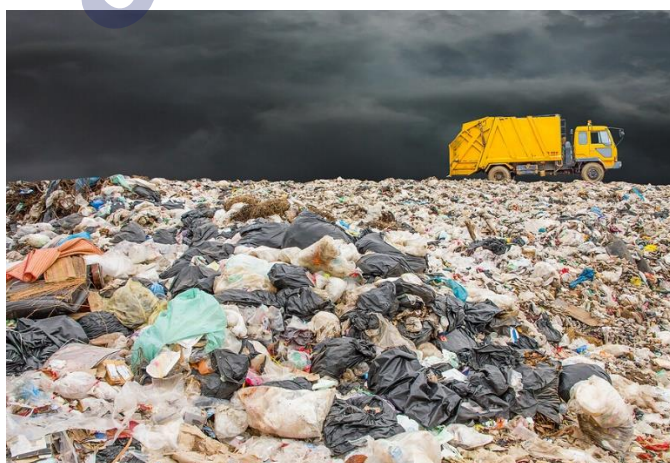
5.

जब कोई जीव जंतु मर जाता है उसे बाहर फेंक दिया जाता है तो वह अपघटित होने लगते हैं,



जिसके फलस्वरूप मृदा में अधिक पोषक तत्व हो जाता है। परंतु उनके सड़ने से अधिक मात्रा में अपशिष्ट निकलते हैं। नगरपालिका अपशिष्ट में नगर में पाया जाने वाला सारा अपशिष्ट आता है। उदाहरण -घरेलू अपशिष्ट, चिकित्सा अपशिष्ट, मृत जानवर, औद्योगिक अपशिष्ट

### 6. व्यापारिक अपशिष्ट –





दुकानों, होटलों, ढाबों इत्यादि से जो अपशिष्ट पदार्थ उत्पन्न होते हैं, वे सभी व्यापारिक अपशिष्ट के अंतर्गत आते हैं। अपशिष्ट पदार्थों के अंतर्गत ड्रिंक की कैन, प्लास्टिक, स्क्रेप का कागज, उपयोग में लिया गया भोजन इत्यादि है।

### 7. चिकित्सालय अपशिष्ट -

अस्पताल के बाहर फेंके गये कूड़े में संक्रामक और असंक्रामक दोनो प्रकार की बीमारिया फैलती है इन कूड़ों में रोगों के सूक्ष्म कीटाणु होते हैं।



उदाहरण - प्लास्टर, पट्टिया, सिरिंज, कांच, प्लास्टिक की बातेले, रक्त, मास के टुकड़े संक्रमित अंग व उतक आदि। अस्पताल, मेडिकल, इंस्टीट्यूट, नर्सिंग होम इत्यादि से उत्पन्न होने वाले अपशिष्ट पदार्थों को चिकित्सालय अपशिष्ट पदार्थ कहते हैं। उदाहरण- प्रयोग में ली गई सिरिंज, सुई, पट्टिया, फेंकने योग्य पदार्थ, दवाओं के डिब्बे इत्यादि।

**पुनर्चक्रण :-**





कचरे को कुछ नए रूप के सामग्री में बदलना। ग्लास, पेपर, प्लास्टिक, और धातु जैसे एल्यूमीनियम और स्टील सभी का आम तौर पर पुनर्नवीनीकरण या पुनर्चक्रण किये जा सकते हैं।



अपशिष्ट पदार्थों को Recycle विधि से निस्तारण किया जा सकता है। जब कचरे का निस्तारण Recycle विधि से किया जाता है तो कुछ उपयोगी पदार्थ भी प्राप्त हो जाते हैं तथा यह विधि पर्यावरण में समस्याएं उत्पन्न नहीं करता है और साथ-साथ ऊर्जा की भी बचत होने लगती है। इस विधि में सबसे पहले कारखानों को पीसकर लोग भी बना लेते हैं और अब चुंबकीय पृथक्करण विधि से इस लुगदी में से लोहा और स्टील जैसे पदार्थों को अलग कर लिया जाता है तथा पुनः उपयोगी वस्तुएं बनाने में इसका प्रयोग होने लगता है। इसके बाद जो लुगदी बचती है उसको छाटने वाले यंत्र में भेज दिया जाता है।

रीसाइक्लिंग पृथ्वी को बचाता है – एक उत्पाद का पुनर्नवीनीकरण पर्यावरण को सुरक्षित रखने में मदद कर सकता है।

पुनर्चक्रण ऊर्जा बचाता है – सामग्री से एक नया उत्पाद बनाने की अपेक्षा उसी उत्पाद को रीसाइक्लिंग करने से कम ऊर्जा खर्च होती है।

पुनर्चक्रण कागज प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, ऊर्जा की बचत होती है, कम कर देता है ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन, और रहता है लैंडफिल अंतरिक्ष कचरा के अन्य प्रकार है कि पुनर्नवीनीकरण नहीं किया जा सकता के लिए मुफ्त

लगभग अगले 20 वर्षों तक भराव क्षेत्र पर कोई भवन निर्माण नहीं किया जाता।

कचरे के उपयोगी अवयव के निपटान के लिए भराव क्षेत्रों का पास कम्पोस्ट बनाने वाले क्षेत्र विकसित किए जाते हैं।

कुछ शहरों तथा नगरों में नगरपालिकाएँ दो प्रकार के कचरे को एकत्र करने के लिए दो पृथक कुड़ेदान प्रदान करती है।

### नीलेकुड़ेदान :-

प्लास्टिक कवर, बोटल, चिप्स पैकेट के रैपर, दूध की खाली थैली, पिज्जा बॉक्स पेपर, मेटल, जार व अन्य प्रकार का हार्ड वेस्ट समेत जो भी घर में सूखा कचरा



निकलता है उसे नीले कूड़ेदान में डालना है पुनः उपयोग किए जा सकने वाले पदार्थ डाले जाते हैं जैसे प्लास्टिक धातुएँ तथा काँच।

### हरेकुड़ेदान :-

रसोई घर से निकलने वाला सभी तरह का गीला कचरा इसमें डालें। सब्जियों-फल के छिलके, चाय पत्ती, खाना बनाने के दौरान जो गीला कचरा इकट्ठा होता है उसे हरे डस्टबिन में डालना है। इसके अलावा पूजा सामग्री, फूल भी इसी में डालने हैं। रसोई तथा अन्य पादप तथा जंतु अपशिष्टों को एकत्र करने के लिए होते हैं।



निवेदन 🙏

आओ पर्यावरण को स्वच्छ बनाएं,  
एक भी गन्दगी न रहने पाए।





## NCERT SOLUTIONS

## प्रश्न (पृष्ठ संख्या 164-165)

प्रश्न 1 निम्नलिखित के उत्तर दीजिए

- लाल केंचुए किस प्रकार के कचरे को कम्पोस्ट में परिवर्तित नहीं करते?
- क्या आपने अपने कम्पोस्ट-गड्ढे में लाल लाल केंचुओं अतिरिक्त किसी अन्य जीव को भी देखा है? यदि हाँ, तो उनका नाम जानने का प्रयास कीजिए। उनका चित्र भी बनाइए।

उत्तर-

- लाल केंचुए अजैव निम्नीकरणीय कचरे को कम्पोस्ट में परिवर्तित नहीं करते हैं।
- कभी - कभी हमें कीट, कीटाणु, मकड़ी आदि दिखाई पड़ते हैं। यहाँ अन्य सूक्ष्म जीव भी होते हैं।

प्रश्न 2 चर्चा कीजिए

- क्या कचरे का निपटान केवल सरकार का ही उत्तरदायित्व है?
- क्या कचरे के निपटान से संबंधित समस्याओं को कम करना संभव है?

उत्तर-

- नहीं, यह हमारा भी उत्तरदायित्व है। हमें कचरा काम निकलना चाहिए। फेंकने से पहले हमें चीजों का उपयोग और पुनः उपयोग करना चाहिए।
- हाँ, पुनः चक्रण योग्य सामग्री का उपयोग करके कचरे के निपटान से संबंधित समस्याओं को काम किया जा सकता है।

प्रश्न 3

- घर में बचे हुए भोजन का आप क्या करते हैं?
- यदि आपको एवं आपके मित्रों को किसी पार्टी में प्लास्टिक की प्लेट अथवा केले के पत्ते में खाने का विकल्प दिया जाए, तो आप किसे चुनेंगे और क्यों?

उत्तर-

- a.
- उचित रूप से संरक्षित रखते हैं और पुनःउपयोग करते हैं।
  - इसे अन्य खाद्य के साथ तैयार करके इस्तेमाल करते हैं।
- b. केले के पत्ते में, क्योंकि
- इसका निपटान सरल है,
  - यह पुनः चक्रण योग्य है,
  - यह अधिक पर्यावरण - मित्रवत् है।

प्रश्न 4

- a. विभिन्न प्रकार के कागज के टुकड़े एकत्र कीजिए। पता कीजिए कि इनमें से किसका पुनःचक्रण किया जा सकता है?
- b. लेंस की सहायता से कागजों के उन सभी टुकड़ों का प्रेक्षण कीजिए जिन्हें आपने उपरोक्त प्रश्न के लिए एकत्र किया था। क्या आप कागज की नई शीट एवं पुनःचक्रित कागज की सामग्री में कोई अंतर देखते हैं?

उत्तर-

- a. प्लास्टिक के कागज के अतिरिक्त, अन्य सभी कागजों का पुनः चक्रण किया जा सकता है।
- b. पुनः चक्रित कागज, कागज की नई शीट की तुलना में अधिक मोटा और भद्दा होता है।

प्रश्न 5

- a. पैकिंग में उपयोग होने वाली विभिन्न प्रकार की वस्तुएँ एकत्र कीजिए। इनमें से प्रत्येक का किस उद्देश्य के लिए उपयोग किया था? समूहों में चर्चा कीजिए।
- b. एक ऐसा उदाहरण दीजिए जिसमें पैकेजिंग की मात्रा कम की जा सकती थी।
- c. पैकेजिंग से कचरे की मात्रा किस प्रकार बढ़ जाती है, इस विषय पर एक कहानी लिखिए।

उत्तर-

a. कागज़ का पैकेट - हल्की खाद्य वस्तुएँ

गत्ते का बोर्ड - क्रोकरी

प्लास्टिक कवर - वस्त्र, पोशाके

काँच का कवर - सजावटी सामन

लकड़ी के बक्से - कोमल वस्तुएँ

b. वस्त्र और पोशाके |

c. एक दिन रोहित को अपनी मित्र रीना को एक उपहार दें था | उसने एक पेन खरीदा को प्लास्टिक और कागज़ के कवर में बंद था| रोहित ने दुकानदार से कहकर उसे एक चमकदार कागज़ में लिपटवाया| इस प्रकार आपने देखा, यदि रोहित चाहता तो केवल पेन ही उपहार में दे सकता था| लेकिन उसे एक दुसरे कागज़ में लिपटवाया जिसका कोई अन्य उपयोग नहीं था | पैकिंग के इस कागज़ से कचरे की मात्रा में वृद्धि ही हुई |

प्रश्न 6 क्या आपके विचार में रासायनिक उर्वरक के स्थान पर अपेक्षाकृत कम्पोस्ट का उपयोग उत्तम होता है?

उत्तर-

- हाँ | रासायनिक उर्वरक के स्थान पर अपेक्षाकृत कंपोस्ट उपयोग उत्तम होता है |
- कंपोस्ट के उपयोग द्वारा हम अपने कचरे का पुनः उपयोग करते हैं |